

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 63]

नई बिल्लो, बुधवार, फरवरी 9, 1983/माघ 20, 1904

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 9, 1983/MAGHA 20, 1904

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

ऊ**जाँ मंत्रालय** (पद्गोलयम विभाग)

अधिसूचना

नई विल्ली 🥝 जनवरी 1984

का० औ० 100(अ) ---यभ पेट्रालियम ग्राँग खानिज पाइपलाइ-(भूमि मे उपयाग व अधिकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम, 1462 (1962,का 50) की धारा 3 की उपवाग (1) के श्रिधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन नथा उर्वरक मन्नालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रीध-सुचना का० भा० स० 276 (श्र) तारीख 20-4-1482 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिधसूचना से मलग्न श्रनुसूची मे विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के श्रिधकार को पाइपलाइना का विख्यान के श्रयाजन के लिए श्रुजित करन का श्रयना श्राणय श्राणिन कर विया था,

श्रीर यन सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रीधिनियम की धारा ७ की उपक्षारा (1) के भ्रधीन सरकार का रिपोर्ट दे दी है।

ग्रीर भ्रागे, यत बन्द्रीय सरकार ने उकत रिपोर्ट पर विचार करन ने पश्चात् इस श्रक्षिमूचना से सलग्त श्रनुसूची मे विनिधिष्ट भूमियो मे उपयोग का श्रक्षिकार श्रीजत करने का विनिध्चय किया है।

प्रव प्रन उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद द्वारा घोषण करती है, कि इस प्रधिमूचना से सलग्न प्रमुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमिया में उपयाग का प्रधिकार पाष्ठभलाइन विछान के प्रयाल के लिए एक्ट्रारा प्रजित किया जाना है।

श्रीर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत अधिकारों का प्रयाग करत हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वर्ती हैं कि उक्त भूमिया में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेन्न भीर प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बीवणा के प्रकाशन की नारीख से निहित होगा!

अनुसूची

उरण टर्निनल से यल वायशेत (ध्रारमी एक, प्राजेक्ट) तक पाइप लाईप बिछान के लिये ।

भाज्य--मलाराष्ट्र जिला---गयगढ ता**लुका---भालिबा**क

गांव	सर्वेक्षण न	बर	हेक्टेयर ए	प्रार्च	सेटे ध र
1	2		3	4	5
— वोरीस	1	20+4	0	0.0	1
		2¶+ 4	0	0 4	Û
		<i>2</i> 2 बी	0	10	6

(1)

1	2		3	4	õ
	3		ij	116	б
	क्ष उस ी		Ğ.	6.0	4
	9 1		1	£1 +3	3
	្ត្រ		d.	ir 3	5
	⊴ वी		9	4.0	63
	3		Ú	0.7	8
	4		0	06	8
	5		0	0.0	3
	6		9	03	5
	10 1		0	09	3
	12 1		0	1.2	ń
	2		0	06	3
	23 5		0	03	3
	73 4		0	0.5	8
	5		0	1.3	1
	78 1		0	16	7
	102 0		0	0.1	3
		जोछ	1		 y
					_

[ল০-- 13016/9/82--সার]

र्गाठ पंगठ जन्ता, समक्य मन्त्रिय

MINISTRY OF ENERGY (Department of Petroleum) NOTO ICATION

New Delhi, the 22nd January, 1983

SO. 10.1 E). Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilities (Department of Petroleum) S.O.No. 276(E) dated 20-4 1982 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in Ian is specified in the sone full appended to this notification,

Now therefore in sec cise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification beachy acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the tight of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission, free from enclumbrances

SCHLDULE

Pipeline from Uran Terminal to Thal Vaishet (R.C.F. Project

State—-Maha	irashtra	District—Raigad	T	aluka –	Al.ba
Village	S.No.	H.No.	Area		
			Hec- tare	Arc	Con-
Boris	1	2A + 4	0	00	1
		1 2Λ+4	0	04	0
		2/\ + 4	U	()4	U
		2			
		2B	0	10	6
		3	0	06	6
	8	5 C	0	00	8
	9	1	0	06	3
		$2\mathbf{A}$	0	03	5
		?B	0	04	O
		3	0	07	8
		4	0	06	8
		5	U	00	2 5
		6	0	03	5
	10	1	0	09	3
	12	1	0	12	6
		2	0	05	8
	23	5	0	03	3
	73	4	0	05	8
		5	0	13	4
	78	1	0	16	7
	102	0	0	01	8
		Total	1	22	-— <u> </u>

[No. O-12016/9/82-Prod]. P.P. KHANNA, Jt. Secy.